

हम मतवाले हैं चले साँई के देस  
हम मतवाले हैं चले साँई के देस 2  
जहाँ सभी को चैन मलैगा कभी न लागे ठेस  
हम मतवाले हैं चले साँई के देस

फूल सी धरती बनती जाए एक पधिलता लावा  
पहन रही है पगली दुनिया अग्निका पहरावा  
जाने अभी ये बन्दे तेरे बदलें कतिने भेस  
हम मतवाले.....

देखो अपनी हर मुश्कलि है आज समस्या उसकी  
चलो चलें चरणों में सोकर करें तपस्या उसकी  
कसि सपने में कब मलि जाए प्रेम भरा संदेस  
हम मतवाले.....

हमें न है कुछ फ़किर आजकी न अँदेसा कलका  
मनका -मनका जपते कर लया मनका बोझा हलका  
दो दनि की बहरूपी दुनिया असल में है परदेस

हम मतवाले हैं चले साँई के देस  
हम मतवाले.....